# DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
## SESSION 2021-22
## MONDAY TEST

**CLASS: IX** **FULL MARKS: 40**
**SUBJECT: HINDI** **DATE: 26.07.2021**

***Instructions***

- ***Answer to this paper must be written on the paper separately.***
- ***This paper comprises of two sections; Section A and Section B.***
- ***Attempt all questions from both sections.***
- ***This paper consists of three digital pages.***

**SECTION –A (20 Marks)**
***(Attempt all questions)***

**Question-1**
**Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible: - [2x5=10]**
**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव अपने शब्दों में हो:-**

किसी राजा के पास एक बकरी थी। एक बार उसने एलान किया, जो इस बकरी को जंगल में चराकर तृप्त करेगा। मैं उसे आधा राज्य दे दूँगा। किंतु बकरी का पेट पूरा भरा है या नहीं इसकी परीक्षा मैं खुद करूँगा।

इस एलान को सुनकर एक मनुष्य राजा के पास आकर कहने लगा कि बकरी चराना कोई बड़ी बात नहीं है।वह बकरी को लेकर जंगल में ले गया और सारे दिन उसे घास चराता रहा, शाम तक उसने बकरी को खूब घास खिलाई और फिर सोचा कि सारे दिन इसने इतनी घास खाई है, अब तो इसका पेट भर गया होगा। यह सोचकर वह बकरी राजा के पास ले आया। राजा ने थोड़ी सी हरी घास बकरी के सामने रखी, तो बकरी उसे खाने लगी। इस पर राजा ने उस मनुष्य से कहा कि तूने उसे पेट भर खिलाया ही नहीं, वर्ना वह घास क्यों खाने लगता।.इसी प्रकार बहुत से लोगों ने बकरी पेट भरने का प्रयत्न किया, किंतु ज्यों ही दरबार में उसके सामने घास डाली जाती, वह फिर से खाने लगती।

एक विद्वान् ब्राह्मण ने सोचा इस एलान का कोई तो रहस्य है, तत्व है, मैं युक्ति से काम लूँगा। वह भी राजा से प्रार्थना कर बकरी को चराने के लिए ले गया। जब भी बकरी घास खाने के लिए जाती, तो वह उसे लकड़ी से पीटता,सारे दिन यही क्रम दोहराता रहा। अंत में बकरी ने सोचा कि यदि मैं घास खाने का प्रयत्न करूँगी, तो मार खानी पड़ेगी।शाम को वह ब्राह्मण बकरी को लेकर राजदरबार में लौटा। बकरी को तो उसने बिलकुल घास नहीं खिलाई थी। फिर भी राजा से कहा किमैंने इसको भरपेट खिलाया है। अत: यह अब बिलकुल घास नहीं खाएगी। आप परीक्षा ले लीजिए। राजा ने घास डाली, लेकिन उस बकरी ने उसे खाया तो क्या देखा और सूंघा तक नहीं। बकरी के मन में यह बात बैठ गई थी कि अगर घास खाऊंगी तो मार पड़ेगी।

मित्रों, यह बकरी हमारा मन ही है, ब्राह्मण हमारी आत्मा और राजा परमात्मा है। मन को विवेक रूपी लकड़ी से रोज पीटो, ताकि इस पर अंकुश लगा रहे। अर्थात अगर जीव के पास विवेक रूपी अंकुश न हो, तो मन रूपी हाथी और बाज रूपी इच्छाएँ उसको मार देती हैं। पर जब विवेक रूपी ज्ञान हो तो जीव न तो मन का गुलाम रहता है और न ही इच्छाओं का ।

i) राजा ने क्या ऐलान करवाया ? उनकी शर्त क्या थी ?

ii) शर्त जीतने के लिए प्रयास किन लोगों ने किए ? उनके प्रयास असफल रहने का क्या कारण था?

iii) अंत में शर्त किसने और किस प्रकार जीती ?

iv) बकरी, राजा और ब्राह्मण किस-किस के प्रतीक है?

v) प्रस्तुत कहानी से आपने क्या सीखा?

**Question-2**

**Answer the following according to the instructions given:-**

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-**

**i) निम्न शब्दों को शुद्ध कीजिए :-** **[1]**

वर्नन , रीति

**ii) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाए:-** **[1]**

आग लगाना , श्री गणेश करना

**iii) निम्न शब्दों में से किसी एक के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:-** **[1]**

नदी, फूल, जंगल

**iv) निम्न शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए:-** **[1]**

गलती, मूर्ख, सरल, परिश्रम

**v) भाववाचक संज्ञा बनाइए: -** **[1]**

कठिन, राष्ट्र

**vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए: -** **[5]**

क) वह कक्षा में उपस्थित नहीं था। ('नहीं' हटाकर वाक्य लिखें पर अर्थ न बदले)

ख) सेठानी ने नौकरानी को नौकरी से निकाल दिया। (वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखें)

ग) बड़े दुकानों में अच्छा सामान नहीं मिलता। ( वाक्य शुद्ध कीजिए।)

घ) लेखक बहुत विद्वान है। (लिंग बदलकर वाक्य दुबारा लिखें।)

ङ) मैं अन्याय का <u>विरोध</u> करता हूँ। (रेखांकित शब्द के विशेषण बदलते हुए वाक्य दोबारा लिखें। )

## SECTION-B (20 Marks)
## (Attempt all questions)

**साहित्य सागर - गद्य**

**Question-3**

**Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow: -**

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-**

**"बाबू जगत सिंह ने मिठाई देखी तो चौक उठे यह मिठाई पाँच रूपए की है?**
**हुजूर पाँच की ही है। रसीला का रंग उड़ गया। बाबू जगत सिंह समझ गए। उन्होंने रसीला से फिर पूछा, रसीला ने फिर वही दोहराया।"**

**बात अठन्नी की**
**सुदर्शन**

**i) बाबू जगत सिंह मिठाई देखकर क्यों चौंक उठे? [2]**
**ii) जगत सिंह किस तरह के व्यक्ति थे? [2]**
**iii) रसीला का रंग क्यों उतर गया? उसने क्या गलती की थी ? [3]**
**iv) कहानी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए। [3]**

**Question-4**

**Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow: -**

**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-**

**"यह इंसाफ नहीं अंधेर है। सिर्फ़ एक अठन्नी की ही तो बात थी।" रात के समय जब हज़ार पाँच सौ के चोर नरम गद्दों पर मीठी नींद ले रहे थे तो अठन्नी का चोर जेल की तंग, अंधेरी कोठरी में पछता रहा है।"**

**बात अठन्नी की**
**सुदर्शन**

**i) यह "इंसाफ नहीं अंधेर नगरी है।" यह कथन किसने कहा और वह कौन-सा कार्य करता है? [2]**
**ii) अठन्नी की चोरी किसने की थी ? उसका परिचय दीजिए। [2]**
**iii) शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। [3]**
**iv) ऐसा क्या हुआ कि वक्ता ने दुनिया को अंधेर नगरी कहा? अपने शब्दों में लिखिए। [3]**